हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 187 देहरादून, बुधवार, 17 जनवरी, 2024 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

अभ्यर्थियों को सीएम धामी ने नियुक्ति पत्र प्रदान किये

3

मातृ शक्ति के सहयोग से ही संपूर्ण विकास संभव : सीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिथौरागढ़ , 17 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देव सिंह मैदान, पिथौरागढ़ में अयोजित 'दीदी-बैंणा' नारी शक्ति महोत्सव कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कुल ₹ 217.28 करोड़ की कुल 65 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। जिसमें ₹ 82.82 करोड़ की कुल 37 योजनाओं का लोकार्पण एवं ₹ 134.45 करोड़ की 28 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने जनपद पिथौरागढ़ के विकास को समर्पित विभिन्न घोषणाएं कि जिसमें आंवला घाट फेज-2 पेयजल योजना का निर्माण कार्य किए जाने, फगाली गाड़ से पनार पुल तक वैकल्पिक सड़क मार्ग का निर्माण कार्य किए जाने, मोस्टामानू मंदिर का सौंदर्यकरण किए जाने, नैनी-सैनी से जाजरदेवल तक हॉटमिक्स सड़क व नाली निर्माण कार्य किए जाने की घोषणा शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन के साथ भगवान श्री राम दरबार एवं कन्या पूजन भी किया। मुख्यमंत्री ने धारचूला की दारमा, व्यास घाटियों के वाइब्रेंट विलेज से आई महिलाओं के साथ बागेस्वरी चरखे एवं तकली से ऊन कताई की। साथ ही उन्होंने रांच में पारंपरिक विधि से कालिन भी बनाया। मुख्यमंत्री ने फिरका और बिंडा (मटका) के माध्यम से मट्ठा भी बनाया। साथ ही सिलबट्टे में हरा नून (नमक) पीसा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बिण सिडकुल आस्थान में 253 उद्यमियों को व्यवसायिक भूखंड आवंटन स्वीकृति पत्र प्रदान किए। उन्होंने पर्यटन विभाग/ जिला प्रशासन की कॉफी टेबल बुक का विमोचन करने के साथ

ही मिलेट द्वारा निर्मित भीटोली का शुभारंभ भी किया। मुख्यमंत्री ने 6 मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट, 6 अंतरराष्ट्रीय बालिका खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित माताओं एवं बहनों का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि अपनी जन्मभूमि पिथौरागढ़ में आना उनके लिए हमेशा भावुक क्षण होता हैं। उन्होंने कहा आज जिन 206 करोड़ से अधिक की योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास हुआ है, वो सभी जनपद के विकास में मील का पत्थर साबित होंगी। इस क्षेत्र के विकास के साथ ही आने वाली पीढ़ियों को भी लाभ होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अन्य जिलों की भांति ही अपनी जन्मभूमि में माताओं बहनों का जो प्यार और दुलार उन्हें मिला है उससे वे अविभूत हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद पिथौरागढ़ के विकास हेतु राज्य सरकार हर संभव कार्य कर रही है। पिथौरागढ़ में जल्द ही मेडिकल कॉलेज बनेगा। जिसके लिए सारी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। मेडिकल कॉलेज हेतु लगभग 1 हजार से ज्यादा पदों की स्वीकृति पर मंत्रिमंडल द्वारा सहमति प्रदान कर दी है। उन्होंने कहा पिथौरागढ़ में पार्किंग पंपिंग योजनाएं प्रशासनिक भवन सड़कों के निर्माण कार्य में भी तेजी आई है। मानसखंड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत पिथौरागढ़ के मंदिरों को भी जोड़ा गया है। उन्होंने कहा नैनी सैनी हवाई अड्डे में 19 सीटर विमान की ट्रायल लैंडिंग सफल हुई है। डीजीसीए की अनुमति आने पर यह विमान नियमित पिथौरागढ़ से चलेगा। उन्होंने कहा विकास की दौड़ में हमारे सीमांत जनपद सबसे आगे रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की मातृ शक्ति अपनी प्रतिभा एवं कौशल से आगे बढ रही हैं। उत्तराखंड राज्य निर्माण में मातृ शक्ति का सबसे बड़ा योगदान रहा। महिलाएं परिवार के साथ ही समाज और प्रदेश हितों का भी ख्याल रखती हैं। मातृ शक्ति के सहयोग से ही समाज, राज्य, राष्ट्र का संपूर्ण विकास संभव है। महिलाएं जिस भी कार्य को अपने हाथों में लेती हैं, उसे स्वाभाविक तौर पर पूरा करती हैं। परिश्रम और मातृ शक्ति एक दूसरे के पूरक हैं। राष्ट्र की मातृ शक्ति शिक्षित होने से उस राष्ट्र का वर्तमान के साथ भविष्य भी सुरक्षित रहता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने महिला सशक्तिकरण क्षेत्र में कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। उन्होंने बताया राज्य में सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण देने के साथ ही मुख्यमंत्री नारी सशक्तिकरण योजना, मुख्यमंत्री महालक्ष्मी योजना, लखपति दीदी योजना, मुख्यमंत्री आंचल अमृत योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक मेधावी योजना, नंदा गौरा मातृवंदना योजना और महिला पोषण अभियान जैसी विभिन्न योजनाएं प्रारंभ की हैं। उन्होंने कहा प्रदेश की जनता के हितों के लिए जो भी आवश्यक कदम हों, बिना देरी के उठाएं जा रहे हैं।

पिथौरागढ़ में मुख्यमंत्री पर जनता ने की पुष्प वर्षा

पिथौरागढ़ , 17 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पिथौरागढ़ में सुरेंद्र सिंह बल्दिया स्पोर्ट्स स्टेडियम से देव सिंह मैदान तक आयोजित रोड शो में प्रतिभाग किया। इस दौरान क्लॉक टावर टकाना, गुप्ता तिराहा, केमू रोडवेज स्टेशन से देव सिंह मैदान तक आयोजित रोड शो में सम्मिलित होकर हजारों की संख्या में स्थानीय जनता, जनप्रतिनिधियों, रंग कर्मियों, अधिवक्ताओं, पूर्व सैनिकों, विभिन्न क्षेत्र के लोगों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। लोक वाद्य यंत्रों, पारंपरिक लोक नृत्य छोलिया, कलश यात्रा के बीच मुख्यमंत्री ने भी स्थानीय जनता पर पुष्प वर्षा कर सभी का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में झाड़ू लगाकर चलाया स्वच्छता अभियान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिथौरागढ़ , 17 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पिथौरागढ़ स्थित चटकेश्वर मंदिर व सैनी गांव के देवल समेत मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख शांति व समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में स्वयं झाड़ू लगाकर धार्मिक स्थलों में स्वच्छता अभियान चलाए जाने का संदेश भी दिया। उन्होंने सैनी गांव लोगों से मुलाकात कर जन समस्याएं सुनी साथ ही संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र समाधान हेतु निर्देशित किया। इस दौरान सांसद अजय टम्टा, विधायक बिशन सिंह चुफाल, विधायक फकीर राम टम्टा, जिला पंचायत अध्यक्ष दीपिका बोरा, राज्य मंत्री गणेश भंडारी, पूर्व मंत्री बलवंत सिंह भोरियाल ब्लॉक प्रमुख सुनीता कन्याल ,बबीता चुफाल, विनीता बाफिला, अर्चना गंगोला, भाजपा जिला अध्यक्ष गिरीश जोशी जिलाधिकारी रीना जोशी, एसपी लोकेश्वर सिंह, एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

दुनिया की सबसे ऊंची नंदा देवी यात्रा की कहानी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 17 जनवरी , देवभूमि उत्तराखंड की विरासत इतनी विशाल है कि उसे जितना लिखा और पढ़ा जाए कम ही लगता है । यहां पंच केदार , पंच प्रयाग और पंच बदरी अपने नैसर्गिक स्वरूप में विद्यमान हैं। साल भर अनेकों मेले और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन होता है इसी में सम्मिलित है माँ नंदा देवी की राजजात यात्रा ... लोक इतिहास के अनुसार नन्दा देवी गढ़वाल के राजाओं के साथ-साथ कुँमाऊ के कत्युरी राजवंश की ईष्टदेवी थी। इष्टदेवी होने के कारण नन्दा देवी को राजराजेश्वरी कहकर सम्बोधित किया जाता है। नन्दादेवी को पार्वती की बहन के रूप में देखा जाता है परन्तु कहीं-कहीं नन्दादेवी को ही पार्वती का रूप माना गया है।

मान्यता है कि एक बार नंदा अपने मायके आई थीं। लेकिन किन्हीं कारणों से वह 12 वर्ष तक ससुराल नहीं जा सकीं। बाद में उन्हें आदर-सत्कार के साथ ससुराल भेजा गया। मां नंदा को उनकी ससुराल भेजने की यात्रा ही है राजजात यात्रा। मां नंदा को भगवान शिव की पत्नी माना जाता है और कैलाश (हिमालय) भगवान शिव का निवास।इस यात्रा में चमोली जिले में पट्टी चांदपुर और श्रीगुरु क्षेत्र को मां नंदा का मायका और बधाण क्षेत्र (नंदाक क्षेत्र) को उनकी ससुराल माना जाता है। माँ नन्दा भगवान शिव भोलेनाथ की अर्धांगिनी और उत्तराखंड हिमालय की पुत्री हैं, वह इस यात्रा के माध्यम से अपने ससुराल यानी कैलाश पर्वत जाती हैं। हर साल भाद्रपद शुक्ल एकादशी के दिन यह यात्रा आरंभ होती है।

इस यात्रा में चौसिंग्या खाडू.(चार सींगों वाला भेड़) का विशेष महत्व है जोकि स्थानीय क्षेत्र में राजजात का समय आने के पूर्व ही पैदा हो जाता है। उसकी पीठ पर रखे गये दोतरफा थैले में श्रद्धालु गहने, श्रंगार-सामग्री व अन्य हल्की भैंट देवी के लिए रखते हैं, जोकि होमकुण्ड में पूजा होने के बाद आगे हिमालय की ओर प्रस्थान कर लेता है। लोगों की मान्यता है कि चौसिंग्या खाडू. आगे हिमालय की पर्वत सृंखलाओं में जाकर लुप्त हो जाता है व नंदादेवी के क्षेत्र कैलाश में प्रवेश कर जाता है।

समुद्रतल से 3200 फुट से लेकर 17500 फुट की ऊंचाई तक पहुंचने वाली यह 280 किमी लम्बी पदयात्रा 19 पड़ावों से

गुजरती है। सम्पूर्ण यात्रा 19 दिनों तक चलती है और अंतिम पड़ाव होमकुण्ड पहुंचती है। इस कुण्ड में पिण्डदान और पूजा अर्चना के बाद चौसिंग्या खाडू को हिमालय की चोटियों की ओर विदा करने के बाद यात्रा नीचे उतरने लगती है। उसके बाद यात्रा सुतोल, घाट और नौटी लौट आती है।

अगली नंदा देवी की यात्रा 2026 में होगी

कई दिन इस यात्रा मे लगते है , और लगभग 6 लाख लोग इस यात्रा के साक्षी बनते है , इस यात्रा को दुनियाभर मे हिमालयन कुम्भ के नाम से जाना जाता है , ये उत्तराखंड की संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है , उत्तराखंड की 3 संस्कृतियां गढ़वाली कुमाऊनी जौनसारी का ये संगम है , नंदा तीनों लोगो की आराध्य देवी है , इस यात्रा के एक पड़ाव मे रूप कुंड एक जगह आती है जहाँ हज़ारों नर कंकाल आज भी मिलते है , नंदा देव की यात्रा अब तक 10 बार हो चुकी हैं। हिमालय क्षेत्र का यह महाकुंभ साल 1843, 1863, 1886, 1905, 1925, 1951, 1968, 1987, 2000 और 2014 हो चुकी है। नंदा देवी की अगली यात्रा 2026 में होगी।

पतंगों से है गंगा-जमुनी तहजीब का रिश्ता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 17 जनवरी , राजस्थान की राजधानी जयपुर में रियासत काल से ही पतंगबाजी का क्रेज रहा है। पतंगबाजी का जुनून जयपुर की रियासत (स्टेट पीरियड) से जुड़ा हुआ है। दरअसल, जयपुर में लखनऊ की तुक्कल से पतंगबाजी की शुरुआत की गई थी। बताया जाता है कि 1835 से 1888 तक जयपुर के महाराजा सवाई रामसिंह द्वितीय ने लखनऊ में पतंगे उड़ती देखी थी। जिसके बाद उनके मन में आया की ऐसी पतंगे जयपुर शहर में भी उड़नी चाहिए। इसी वजह से वो लखनऊ से कुछ पतंगसाज जयपुर ले आए और यहां पतंगबाजी की शुरुआत कर दी।

खुद महाराजा रामसिंह मोटी डोर के साथ सिटी पैलेस की छत से तुक्कल नामक पतंग उड़ाते थे। उस दौर में कोई और पतंग उड़ा नहीं करती थी, ऐसे में जो पतंग तेज हवा से टूट जाया करती थी, उसे पकड़ने के लिए भी घुड़सवार तैनात रहते थे। यदि कोई जयपुर निवासी इस पतंग को पकड़ कर महाराजा के पास ले आता तो उसको पतंग के साथ चांदी के 10 रुपए का इनाम दिया जाता था।

जयपुर की पतंगबाजी गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल है। महाराजा रामसिंह जिन पतंगसाजों को लखनऊ से साथ लेकर आए थे, वे सभी मुस्लिम थे। इसके बार समय बीतता गया और उनका एक मोहल्ला बन गया। हालांकि, मकर संक्रांति हिंदुओं का पर्व है, लेकिन पतंग डोर का रोजगार मुस्लिमों का है। शुरुआत में जयपुर में आगरा, रामपुर और लखनऊ से डोर आया करती थी, लेकिन बाद में जयपुर में ही डोर बनाई जाने लगी।

ठंड में छोटे क्यों हो जाते है दिन और रातें बड़ी ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 17 जनवरी , पूरे भारत में ठंड अपना कहर बरपा रही है। दिन छोटे होने से लोग भी अपने कामों को पूरा नहीं कर पा रहे है। ठंड के समय में दिन छोटे हो जाते हैं और समय कब निकल जाता है, पता ही नहीं चलता। दरअसल, होता क्या है कि भारत में ठंड के समय दिन छोटे और रात बढ़ी हो जाती है। वहीं, गर्मियों में दिन बड़े और रात छोटी रहती है। लेकिन क्या आप जानते है प्रकृति में ऐसा क्यों होता है? यदि नहीं तो चलिए जानते है इसका पूरा सच -सर्दियों में पृथ्वी की दूरी सूर्य से काफी कम होती है। यह दूरी सूर्य से दूसरी तरफ झुकाव में होती है। इस वजह से पृथ्वी पर ठंड का आगमन होता है। .. और दिन भी छोटे हो जाते है। इस समय पृथ्वी उत्तरी गोलार्ध की तरफ झुकी होती है। इससे सूरज कम समय के लिए ऊपर आता है और गर्मी कम होती है।

आसान भाषा में समझें तो पृथ्वी का झुकाव ही दिन के छोटे-बड़े होने का निश्चय करता है। पृथ्वी अपने एक्सिस पर 23.5 डिग्री के झुकाव पर रहती है। वैसे तो सर्दियों में पृथ्वी गर्मी के मौसम के मुकाबले सूर्य के पास होती है, लेकिन पृथ्वी का झुकाव सूर्य के तरफ न होकर उसकी विपरीत डायरेक्शन में होता है। यही वजह है कि सर्दियों में सूर्य हमें आसमान में ज्यादा ऊपर दिखाई नहीं देता और इसी कारण वो क्षितिज के ऊपर भी कम समय के लिए रहता है, जिससे दिन का प्रकाश कम होता है, अंधेरा जल्दी होता है और सर्दियों में दिन छोटे हो जाते हैं और रातें बड़ी हो जाती है।

लंबी रात फिर भी दिन में क्यों आती नींद?

एक सवाल जो आपके मन में जरूर आ रहा होगा कि सर्दियों में रात बड़ी होने के बाद भी दिन में नींद क्यों आती है? दरअसल, सर्दियों में सूर्य की रोशनी बहुत

कम वक्त के लिए पृथ्वी पर आती है। इसका प्रभाव हमारे शरीर पर पड़ता है। हमारे शरीर को सूर्य की रोशनी की जरुरत होती है। ऐसे में यह पर्याप्त नहीं मिले तो शरीर में आलस्य महसूस होता है और हर वक्त आंखों में नींद भरी रहती है।

मंत्री गणेश जोशी ने दून-मसूरी रोपवे के संबंध में अधिकारियों को दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 17 जनवरी : कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कैंप कार्यालय में दून-मसूरी रोपवे निर्माण के संबंध में पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान अधिकारियों द्वारा बताया गया कि मसूरी रोपवे से संबंधित सभी औपचारिकताएं पूर्ण कर ली गई है। एलटीपी (लोअर टर्मिनल प्वाइंट) का कार्य शुरू हो गया है। दून-मसूरी रोपवे निर्माण का कार्य नवम्बर 2026 में पूर्ण कर लिया जाएगा। यह रोपवे देहरादून के पुरकुल गांव से स्टार्ट होकर मसूरी के गांधी चौक में समाप्त होगा। पूरे रोपवे की लंबाई करीब साढ़े 5 कि.मी.है। इस प्रोजेक्ट पर तकरीबन 300 करोड़ खर्च होंगे।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों को दून-मसूरी रोपवे निर्माण को तय समय सीमा के भीतर निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देशित किया गया। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने दून-मसूरी रोपवे निर्माण में आई गढ़वाल सभा के भवन को शिफ्ट करने तथा गढ़वाल सभा को शीघ्र भूमि का चयन कर भूमि उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा इस परियोजना के पूर्ण होने के बाद पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा साथ ही देहरादून - मसूरी सड़क मार्ग पर भी भीड़ कम होगी और स्थानीय लोगों और पर्यटकों को त्योहारी सीजन के दौरान जाम जैसी स्थिति से निजात मिलेगी। बैठक में अपर सचिव पर्यटन युगल किशोर पंत, उपजिलाधिकारी दीपक सैनी, तहसीलदार शादाब, भारती जैन, त्रिभुवन राणा, रोहित शाह, ज़िला पंचायत उपाध्यक्ष दीपक पुंडीर आदि उपस्थित रहे।

अभ्यर्थियों को सीएम धामी ने नियुक्ति पत्र प्रदान किये

युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ रही धामी सरकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 17 जनवरी : मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले सभी अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी चयनित कार्मिक लगन व कड़ी मेहनत के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे और राज्य के विकास व जनसेवा के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि समाज कल्याण विभाग के तहत केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं का प्रत्येक पात्र व्यक्ति को समय पर लाभ मिले, समाज कल्याण विभाग की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि यदि हम अपने कार्यक्षेत्र की शुरुआत के दौरान ही दिनचर्या बनाते हैं और

नियमित दिनचर्या के साथ कार्य करते हैं, तो सभी कार्य सुगमता से पूर्ण होते हैं। कार्यक्षेत्र में ईमानदारी और अनुशासन के साथ कार्य करने और लोगों की मदद करने की भावना सबके मन में होनी चाहिए। जब हम सही भावना से कोई कार्य करते हैं, तो इससे मन में संतुष्टि का भाव होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। विभिन्न विभागों के माध्यम से अनेक भर्ती प्रक्रियाएं गतिमान हैं। भर्ती परीक्षाएं पूर्ण पारदर्शिता के साथ कराने के लिए राज्य में सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है। इस कानून के लागू होने के बाद से सभी भर्ती परीक्षाएं पूर्ण पारदर्शिता से हुई है। इस अवसर पर सचिव समाज कल्याण बृजेश कुमार संत, निदेशक समाज कल्याण आशीष भटगाई उपस्थित थे।

महाराज ने नीलकंठ महादेव में स्वच्छता कर पूजा अर्चना की

'सांस्कृतिक उत्सव' में शामिल हुए महाराज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश , 17 जनवरी , उत्तरायणी पर्व 14 जनवरी से लेकर 22 जनवरी को अयोध्या में श्री राम मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम तक प्रदेश में आयोजित होने वाले ₹सांस्कृतिक उत्सव' और ₹स्वच्छता अभियान के दृष्टिगत प्रदेश के पर्यटन धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने नीलकंठ महादेव मंदिर, यमकेश्वर (पौड़ी) में साफ-सफाई कर पूजा अर्चना की।

प्रदेश के सिंचाई, लोक निर्माण, पर्यटन, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, धर्मस्व एवं संस्कृति सतपाल महाराज ने नीलकंठ महादेव मंदिर, यमकेश्वर (पौड़ी) पहुंच कर मंदिर में ₹स्वच्छता अभियान₹ शामिल होकर अपने हाथों से साफ-सफाई करने के बाद पूजा अर्चना कर वहां आयोजित₹सांस्कृतिक उत्सव₹ में भी प्रतिभाग किया।

अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम से पहले एक हफ्ते तक देश के मंदिरों में सफाई अभियान छेड़ने का आह्वान किया था। इसी के दृष्टिगत प्रदेश के धर्मस्व एवं संस्कृति सतपाल महाराज ने भी नीलकंठ महादेव मंदिर में साफ सफाई और पूजा अर्चना करने के बाद सांस्कृतिक आयोजन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस मौके पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि अयोध्या में श्री राम मंदिर में राम लला की प्राण-प्रतिष्ठा का आयोजन आलौकिक, अभूतपूर्व और अविस्मरणीय होगा।

पर्यटन, धर्मस्व और संस्कृति मंत्री महाराज ने कहा कि चारधाम के चार शीतकालीन मंदिर केदारनाथ मंदिर ओमकारेश्वर, उखीमठ, बद्री , नरसिंह मंदिर, जोशीमठ, गंगोत्री मंदिर मुखवा और यमुनोत्री मंदिर, खरसाली सहित प्रदेश के सभी मंदिरों में 22 जनवरी को अयोध्या में श्री राम मंदिर में राम लला की प्राण-प्रतिष्ठा के दिन विशेष पूजा अर्चना की जायेगी। महाराज ने समस्त प्रदेशवासियों से अनुरोध किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान के अनुसार, 22 जनवरी को सभी अपने-अपने घरों में दीप जलाकर इस आयोजन को उत्सव के रूप में मनायें।

उत्तराखंड : बदलेगा मौसम इन जिलों में होगी बारिश और बर्फबारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 17 जनवरी : मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। ताजा पश्चिमी विक्षोभ के चलते अब कई जिलों में हल्की वर्षा व हिमपात की संभावना है। हिमपात और बारिश से पहाड़ों पर अब ठंड का प्रकोप बढ़ने वाला है। हालांकि सुबह-शाम लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ रहा है इससे बचने के लिए लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं। उत्तराखंड में मौसम करवट बदलने वाला है। इस बार कम बर्फबारी की मार झेल रहा उत्तराखंड अब मौसम में बदलाव के लिए तैयार है। उत्तराखंड में करीब दो माह बाद वर्षा-बर्फबारी की उम्मीद जगी है। बारिश से पहाड़ पर ठंड और बढ़ जाएगी। ताजा पश्चिमी विक्षोभ के हिमालयी क्षेत्रों में दस्तक देने के आसार हैं। जिससे उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर व पिथौरागढ़ में हल्की वर्षा व हिमपात की संभावना है। अगले कुछ दिन हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर, देहरादून, पौड़ी और नैनीताल के मैदानी हिस्सों में कोहरे का असर बना रह सकता है। कोहरे को लेकर भी विभाग की ओर से अलर्ट जारी कर दिया गया है। कोहरा लोगों की परेशानी बढ़ा सकता है। सुबह-शाम ठिठुरन से लोग परेशान बीते दो दिन से प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में दिन में चटख धूप खिल रही है, जिससे पारे में बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, सुबह-शाम ठिठुरन बनी हुई है। लोग कड़कड़ाती ठंड में अलाव का सहारा ले रहे हैं। मैदानों में कोहरे के कारण रेल व हवाई सेवाओं पर भी असर पड़ रहा है। देहरादून पहुंचने वाली फ्लाइट्स व ट्रेनें आधे से एक घंटे की देरी से पहुंच रही हैं। कोहरे के चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

2024 में इस क्षेत्र में मिलेगी सबसे ज्यादा स्मार्ट नौकरियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 17 जनवरी , भविष्य में भारत के युवाओं को किस क्षेत्र में अच्छी नौकरी और सैलरी मिल सकती हैं। इसका जवाब दिया है केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने। उनका कहना है कि आने वाले समय में सबसे ज्यादा नौकरियां नई प्रौद्योगिकी में मिलेंगी। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि आने वाला समय किस क्षेत्र के लिए बहुत अच्छा होने वाला है।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का कहना है कि आने वाले सालों में नौकरियां प्रौद्योगिकियों में ही होगी। भारत की शिक्षा व्यवस्था और कौशल युवाओं का भविष्य बनाने का काम कर रहा है। भारत में अगले 25-30 सालों में कामकाजी युवा दुनिया भर में अपनी पहुंच बनाने में कामयाब होंगे। इसलिए उन पर दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय पर पूरा ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के लिए एक मिशन भी शुरू किया है। जिसमें सभी को योगदान देना होगा। जहां युवाओं का खास हिस्सा होगा।

'वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन' में केंद्रीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र पधान ने 10वें संस्करण की एक संगोष्ठी के संबोधन के दौरान कहा। देश उन्नति करे इसलिए कुशल कार्यबल को विकसित करने की ओर काम किया जा रहा है। आने वाला समय डिजिटल का होगा। इसलिए युवाओं को डिजिटलाइजेशन में महारत होना जरूरी है। इस क्षेत्र में युवाओं को नौकरियां बहुत आसानी से मिलेंगी। भविष्य में ज्यादातर नौकरियां नई प्रौद्योगिकियों में ही उपलब्ध होंगी। यही कारण है कि 21वीं सदी में युवाओं को ज्ञान व कौशल के महत्व को जानना जरूरी है।

इन 3 तरीकों से लिखवा सकते हैं कंज्यूमर कोर्ट में ऑनलाइन शिकायत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 17 जनवरी , अगर आपके उपभोक्ता अधिकारों का हनन हुआ है तो आप इसके लिए अपनी नजदीकी कंज्यूमर हेल्पलाइन ऑफिस में जाकर भी रिपोर्ट लिखवा सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सकते तो आपके पास ऑनलाइन शिकायत लिखवाने का भी ऑप्शन हैं। इसके साथ ही टोलफ्री नंबर पर भी आप शिकायत लिखवा सकते हैं। आज के दौर में सभी सर्विसेज ऑनलाइन उपलब्ध हैं। आप भी अपनी शिकायत ऑनलाइन लिखवा सकते हैं। इसके लिए सरकार ने एक पोर्टल भी बनवाया है। इस पोर्टल पर देश के किसी भी हिस्से में, यहां तक कि दूर-दराज के गांव में बैठा आम आदमी भी अपनी शिकायत दर्ज करवा सकता है।इसके लिए उसे https://www.edaakhil.nic.in/ पर जाकर शिकायत दर्ज करानी होगी। साथ ही फीस भी जमा करवानी होगी। इसके बाद शिकायतों पर विचार करते हुए उन्हें संबंधित राज्य के उपभोक्ता आयोग को फॉरवर्ड कर दिया जाता है। जहां उपभोक्ताओं की शिकायत पर जरूरी कार्यवाही की जाती है।

कंज्यूमर हेल्पलाइन वेबसाइट पर भी लिखवा सकते हैं अपनी शिकायत

अगर आप सीधे ही उपभोक्ता कोर्ट में अपनी शिकायत दर्ज करवाना चाहते हैं तो इसके लिए आपको https://consumer-helpline.gov.in/ पर जाना होगा। यहां पर आपको अपना अकाउंट बना कर उसमें लॉग इन करना होगा। इसके बाद शिकायत दर्ज करवाकर फीस जमा करवाएं। डिटेल्स में अपनी शिकायत और उसका पूरा ब्यौरा डालने के बाद सब्मिट कर दें।

टोल फ्री नंबर के जरिए भी हो सकती है शिकायत

अगर आप ऑनलाइन शिकायत नहीं लिखवा सकते हैं तो आप टोलफ्री नंबर 1800 11 4000 या 1404 या 1915 पर कॉल करके भी अपनी शिकायत लिखवा सकते हैं। इन नंबरों पर राष्ट्रीय अवकाश के अतिरिक्त अन्य सभी दिनों में सुबह 8 बजे से सायं 8 बजे तक शिकायत दर्ज करवाई जा सकती है। इनके अलावा आप 8130009809 पर एक SMS भेज कर भी अपनी शिकायत लिखवा सकते हैं। जिसके बाद आपके बाद कंज्यूमर हेल्पलाइन की तरफ से आपसे संपर्क कर आपकी शिकायत दर्ज की जाएगी।

कंज्यूमर मामलों में शिकायत दर्ज कराने के लिए फीस भी भरनी होती है। यह फीस निम्न प्रकार है

शिकायत 1 लाख रुपये तक होने पर - 100 रुपये
शिकायत 10 लाख रुपये तक होने पर - 400 रुपये
शिकायत 20 लाख रुपये तक होने पर - 500 रुपये
शिकायत 50 लाख रुपये तक होने पर - 2000 रुपये
शिकायत 1 करोड़ रुपये तक होने पर - 4000 रुपये

Orange Alert क्या होता है, मौसम विभाग कब जारी करता है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 17 जनवरी , मौसम की जानकारी सुनते या पढ़ते वक्त आपने Orange Alert शब्द जरूर सुना होगा। लेकिन क्या आपने इस शब्द के सही अर्थ को जानने का प्रयास किया है? अगर नहीं किया तो अब जान लीजिए। हम आपको इस लेख में सरल शब्दों में ऑरेंज अलर्ट के बारे में बता रहे है -

क्या होता है ऑरेंज अलर्ट?

सर्दियों का मौसम जारी है। उत्तर भारत में ठंड का प्रकोप लोगों को कंपकंपाने पर मजबूर कर रहा है। इसी बीच मौसम विभाग ने कई जगहों के लिए Orange Alert जारी किया है। आखिर यह ऑरेंज अलर्ट हैं क्या? बता दे ऑरेंज अलर्ट का सीधा मतलब भारी बारिश से है, जो जीवन को अस्त-व्यस्त कर सकती है।जिन जगहों के लिए

Orange Alert जारी किया जाता है, इसका मतलब है वहां बारिश होगी। यह बारिश 115.6 मिमी से 204.4 मिमी तक हो सकती है। इस अलर्ट को जारी किए जाने का सीधा मतलब मौसम फिलहाल काफी खराब है। ऐसे में लोगों का घरों से निकलना परेशानी भरा हो सकता है।

बता दे जब चक्रवातीय तूफान के दौरान हवा की रफ्तार 65 से 75 किमी प्रति घंटा होने की आशंका होती है तो मौसम विभाग Orange Alert जारी करता है। इस अलर्ट के दौरान खतरनाक बाढ़ आने की आशंका भी रहती है। यही वजह है कि इस अलर्ट से लोग सावधान और सतर्क हो जाते है।

संक्षप्ति खबरें

प्रदेश में 22 को सार्वजनिक अवकाश घोषित हो: बंसल

देहरादून। भाजपा राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष व राज्यसभा सासंद नरेश बंसल ने राज्य सरकार से 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर सार्वजनिक अवकाश रखने का आग्रह किया है। बंसल ने मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को भेजे पत्र में कहा कि इस दिन उत्तराखंड समेत पूरे विश्व में भव्य आयोजन की तैयारी चल रही है। आस्था और विश्वास का यह महापर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। हर व्यक्ति 22 जनवरी का कार्यक्रम देखने को उत्सुक है और इस प्राण प्रतिष्ठा समारोह का साक्षी बनना चाहता है। उन्होंने कहा कि यूपी और हरियाणा आदि प्रदेशों में 22 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है, ताकि लोग धूमधाम से यह उत्सव मना सके। उन्होंने मुख्यमंत्री के इस संदर्भ में पूर्व में की गई घोषणा की सराहना करते हुए कहा कि उत्तराखंड देवभूमि है यहां के लोगों के मन में सनातन बसा है। निश्चित रुप से यहां से एक विशेष संदेश अयोध्या धाम जाना चाहिए।

फड़ ठेली वालों को व्यापार के लिए जगह उपलब्ध करवाए नगर निगम

देहरादून। विभिन्न संगठनों और राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने मंगलवार को जिलाधिकारी सोनिका से फड़ ठेली लगाने वाले व्यापारियों को व्यापार के लिए जगह उपलब्ध करवाने की मांग की। साथ ही कहा कार्रवाई के नाम पर किसी भी व्यापारी का उत्पीडन नहीं होना चाहिए। सचिव सीपीआईएम देहरादून अनंत आकाश ने कहा कि इन दिनों नगर निगम, पुलिस प्रशासन और अन्य विभागों के द्वारा फड़ ठेली लगाने वाले व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पंजीकरण करवाने के बाद भी कई के चालान काटे जा रहे हैं। सामान जब्त किया जा रहा है। ज्ञापन के माध्यम से फड़ ठेली लगाने के लिए जगह उपलब्ध करवाने की मांग की गई। मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। जिलाधिकारी ने व्यापारियों के हित में ठोस कदम उठाने का आश्वासन दिया। इस दौरान सपा के प्रदेश महामंत्री अतुल शर्मा, अमर सिंह, भीम आर्मी के महानगर अध्यक्ष आजम खान, आयूपी के अध्यक्ष नवनीत गुसाईं, उपाध्यक्ष बालेश बबानिया, आंदोलनकारी परिषद के सुरेश कुमार, चिन्तन सकलानी, सीपीएम के जिला सचिव राजेन्द्र पुरोहित, चेतना आंदोलन के शंकर गणेश, बार काउंसिल उत्तराखंड के सदस्य ?एडवोकेट रंजन सोलंकी, नेताजी संघर्ष समिति के प्रभात डंडरियाल, राजेश रावत आदि मौजूद थे।

कॉपरेटिव बैंकों में प्रबंधकों के तबादले

देहरादून। सहकारी विभाग के कॉपरेटिव बैंकों में महाप्रबंधक, उप महाप्रबंधक स्तर के अफसरों के तबादले कर दिए गए हैं। राज्य सहकारी बैंक के प्रबन्ध निदेशक नीरज बेलवाल ने मंगलवार को तबादला आदेश जारी किए। महाप्रबंधक राम अवध को राज्य सहकारी बैंक मुख्यालय हल्द्वानी से डीसीबी चमोली के जीएम पद पर भेजा गया। डीसीबी चमोली के जीएम सौ सिंह को डीसीबी पिथौरागढ़ में जीएम पद पर भेजा गया है। डीसीबी पिथौरागढ़ के प्रभारी जीएम दिग्विजय सिंह को डीएसबी नैनीताल में डीजीएम पद की जिम्मेदारी दी गई। डीसीबी टिहरी में प्रभारी जीएम संजय रावत को प्रभारी जीएम डीसीबी कोटद्वार बनाया गया। डीसीबी उत्तरकाशी में प्रभारी जीएम राहुल गैरोला प्रभारी जीएम डीसीबी टिहरी गढ़वाल के पद पर भेजा गया। टिहरी में डीजीएम पद का जिम्मा देख रहे नारायणी को प्रभारी जीएम डीसीबी उत्तरकाशी बनाया गया। डीसीबी चमोली में डीजीएम दीक्षा कंडवाल को डीसीबी देहरादून में डीजीएम पद पर स्थानान्तरित किया गया। सभी को तत्काल नई तैनाती स्थल पर ज्वाइन करने के निर्देश जारी किए गए।

भाजपाइयों ने हनुमान मंदिर में किया चालीसा पाठ

देहरादून। भाजपा जीएमएस मंडल की ओर से मंगलवार को मोहित नगर स्थित हनुमान मंदिर में हनुमान चालीसा व विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमें कैबिनेट मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल और क्षेत्रीय विधायक सविता कपूर ने कार्यकर्ताओं के साथ मंदिर परिसर में सफाई भी की।इस दौरान डॉ अग्रवाल ने कहा कि श्रीराम सभी भारतवासियों के आदर्श हैं। कहा कि 500 साल के लंबे संघर्षों व कई बलिदानों के बाद श्रीराम अयोध्या में बन रहे भव्य मंदिर में 22 जनवरी को विराजमान होंगे। उन्होंने लोगों को श्रीराम का आशीर्वाद स्वरूप पूजित अक्षत व श्रीराम मंदिर के चित्र भी बांटे। कैंट विधायक सविता कपूर ने कहा कि ये राज्य देश ही नहीं पूरे सनातन के लिए एक अद्वितीय क्षण होगा जब मंदिर का उद्घाटन किया जाएगा। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष सुमित पांडे, निवर्तमान वर्तमान पार्षद अमित सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष बबलू बंसल, विजय गुप्ता, शेखर नौटियाल, संतोष कोठियाल, मधु जैन, अजय जैन, राजकुमार तिवारी, मुक्त वर्मा, धीरज ग्रोवर, विनोद तोमर, अरुण वैश्य, सहित सैकड़ो की संख्या में मंदिर समिति के पदाधिकारी व भक्तगण उपस्थित रहे।

फिल्टर पानी पीते हैं तो इसका नुकसान भी जान लें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 17 जनवरी , फिल्टर के जिस पानी को आप सेहत लिए फायदेमंद मान कर पी रहे हैं, उसके गुणवत्ता और पौष्टिकता के बारे में आपको जान लेना चाहिए ताकि इसके प्रयोग से होने वाले दुष्प्रभावों से बचाव हो सके। हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि असल में पानी को साफ करने वाले फिल्टर का आविष्कार उन क्षेत्र विशेष के लोगों के लिए किया गया था, जहां पर पानी में क्लोरीन और दूसरे हानिकारक अवयव अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। विशेष रूप से पहाड़ी क्षेत्र में मिलने वाले प्राकृतिक पेयजल में क्लोरीन की मात्रा काफी अधिक होती हैं, ऐसे में इसे फिल्टर कर पीने के योग्य बनाने की जरूरत होती है। इसलिए पहाड़ी क्षेत्र के लोगों के लिए फिल्टर वाले पानी का उपयोग सही है, लेकिन मैदानी क्षेत्रों में पाए जाने वाला भूजल काफी हद तक पीने योग्य होता है और ऐसे में इसे फिल्टर करने की जरूरत नहीं है।

फिल्टर का पानी कैसे बन जाता है हानिकारक ?

अब बात करें कि आखिर मैदानी क्षेत्र में पाए जाने वाले पानी को क्यों फिल्टर करने की जरूरत नहीं है या फिल्टर किया गया पानी सेहत के लिए क्यों नुकसानदायक हो सकता है। तो इस बारे में हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि "फिल्टर की प्रक्रिया

में आरओ (RO) यानि रिवर्स ऑस्मोसिस तकनीक का प्रयोग में लाई जाती है, वहीं इस तकनीक द्वारा पानी को साफ करने की प्रक्रिया के दौरान पानी में मौजूद माइक्रोन्यूट्रिएंट्स यानि कि खनिज तत्व बाहर निकल जाते हैं, जबकि ये माइक्रोन्यूट्रिएंट्स शरीर के लिए बेहद जरूरी होते हैं। ऐसे में इन माइक्रोन्यूट्रिएंट्स यानि कि खनिज तत्वों की कमी से कई सारी बीमारियों का खतरा बढ़ता है"।

माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की कमी से बढ़ता है इन बीमारियों का जोखिम

माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की कमी के कारण किन बीमारियों का जोखिम बढ़ता है, ये समझने से पहले आपको जानना होगा कि आखिर ये माइक्रोन्यूट्रिएंट्स होते क्या हैं? तो हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि असल में शरीर के लिए दो तरह के पोषक तत्वों की आवश्यकता है... मैक्रोन्यूट्रिएंट्स और माइक्रोन्यूट्रिएंट्स। इनमें से मैक्रो न्यूट्रिएंट्स वो पोषक तत्व हैं जिनकी अधिक मात्रा में शरीर के लिए आवश्यकता होती है, जैसे कि प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा । वहीं माइक्रोन्यूट्रिएंट्स वो पोषक तत्व होते हैं, जिनकी हमारी शरीर के लिए बहुत कम मात्रा में आवश्यकता होती है, पर ये पोषक तत्व भी शरीर के लिए उतने ही जरूरी होते हैं जितने की मैक्रोन्यूट्रिएंट्स।

मैक्रोन्यूट्रिएंट्स के अंतर्गत विटामिन और मिनरल्स आते हैं, जो शरीर के विकास और दूसरी जरूरी प्रक्रियाओं में अहम भूमिका निभाते हैं। गौरतलब है कि जहां कुछ मैक्रोन्यूट्रिएंट्स को हमारी बॉडी खुद ही बनाने सक्षम होती है, तो वहीं कुछ जरूरी विटामिन और मिनरल्स को बाहर से आहार के रूप में लेने की आवश्यकता होती है। इनमें कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे मिनरल्स पानी में प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं, पर जब हम पानी को फिल्टर कर देते हैं तो ये मिनरल्स बाहर निकल जाते हैं। ऐसी स्थिति में शरीर में इन मिनरल्स यानी खनिज तत्वों की कमी हो जाती है और इनकी कमी से हड्डियों का कमजोर होना, हृदय संबंधी रोग और डायबिटीज का खतरा बढ़ता है।

इसके अलावा फिल्टर के पानी के सेवन से कैंसर का जोखिम भी बढ़ता है, क्योंकि ज्यादातर वॉटर प्यूरीफायर की प्लेट में लेड का इस्तेमाल होता है। जबकि यह लेड सेहत के लिए काफी खतरनाक होता है और जब आप रोजाना इस तरह के वॉटर प्यूरीफायर से निकले पानी का सेवन करते हैं तो पानी के साथ लेड भी काफी मात्रा में शरीर में पहुंचता है और इसके कारण कैंसर का खरता बढ़ता है। डॉ. कहते हैं कि सेहत की लिहाज से देखा जाए तो फिल्टर पानी की तुलना में नल का सामान्य पानी ही बेहतर है। क्योंकि इसमें शरीर के लिए जरूरी मिनरल्स और पोषक तत्व बने रहते हैं।

19 से लखनऊ-अयोध्या के बीच शुरू होगी हैलीकॉप्टर सेवा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 17 जनवरी , हवाई रास्ते से अध्योध्या जाने के इच्छुक तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए 19 जनवरी से लखनऊ और अयोध्या के बीच हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की जाएगी। लखनऊ से अयोध्या तक कुल छह हेलीकॉप्टर चलाए जाएंगे। इनमें से तीन हेलीकॉप्टर अयोध्या से संचालित होंगे जबकि तीन लखनऊ से उड़ान भरेंगे। हैलीकाप्टर से अयोध्या पहुंचने में 30 मिनट का समय लगेगा। हैलीकाप्टर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के रमाबाई मैदान से मिलेंगे। ये हैलीकाप्टर एक बार में 8 से 18 सवारियां ले जाएंगे। अयोध्या जाने के इच्छुक तीर्तयात्रियों को हेलीकॉप्टर की सवारी के लिए पहले से बुकिंग करानी होगी।

22 जनवरी को अयोध्या पहुंचेंगे 100 विमान

बुकिंग शेड्यूल और कितना किराया होगा, इसका निर्धारण आज 16 जनवरी की शाम को होने वाली बैठक में किया जाएगा। अयोध्या एयरपोर्ट के निदेशक विनोद कुमार ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के सचिव चंपत राय से मुलाकात की और उन्होंने बताया कि उन्होंने 22 जनवरी को अयोध्या पहुंचने वाले 100 विमानों की लैंडिंग की सूची तैयार कर दी है। एक दो दिनों के भीतर सभी चीजें फाइनल कर दी जाएंगी। चंपत राय से मुलाकात के बाद विनोद कुमार ने कहा कि वे आसपास के हवाई अड्डों से लगातार संपर्क में हैं, क्योंकि अयोध्या हवाई अड्डे पर पार्किंग की कोई सुविधा नहीं है।

22 जनवरी को भी जारी रहेंगी नियमित उड़ानें

विनोद कुमार ने कहा कि हम आसपास के हवाई अड्डों के साथ लगातार संपर्क में हैं। आज की बैठक सिर्फ एक औपचारिक बैठक थी। लगभग 100 विमानों की लैंडिंग का विवरण हमारे पास पहुंच गया है। वे विमान अयोध्या में यात्रियों को उतारेंगे और लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर जैसे नजदीकी हवाई अड्डों पर चले जाएंगे। उन्होंने बताया कि जिस दिन पीएम का विमान आएगा, एक से चार हवाई पट्टियों पर कब्जा हो जाएगा। केवल चार पट्टियां ही उपयोग के लिए बाकी बचेंगी। इस स्थिति में केवल महत्वपूर्ण मेहमानों को ही यहां ठहराया जा सकता है। मंदिर के उद्घाटन के दिन 22 जनवरी को भी नियमित उड़ानें जारी रहेंगी। हमारी तैयारी अंतिम चरण में है। एक या दो दिन में सब कुछ फाइनल हो जाएगा।

पौधे भी सुन सकते हैं एक दूसरे की बात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 17 जनवरी : क्या आप जानते हैं कि पौधे भी एक दूसरे से बात कर पाते हैं. वैज्ञानिक बहुत पहले से ही यह बात जानते हैं. वे खतरा महसूस होने पर आसपास के पौधों को बता देते हैं. लेकिन वैज्ञानिक यह अभी तक समझ नहीं सके थे कि पौधे यह सब कर कैसे लेते हैं। कुछ वैज्ञानिकों ने अपने नए अध्ययन में इस रहस्य से पर्दा उठाया है। नेचर कम्युनिकेशन्स में प्रकाशित अध्ययन में साइतामा यूनिवर्सिटी के मॉलिक्यूलर बायोलॉजिस्ट यूरी अरातानी और ताकुया युमूरा ने दर्शाया है कि कैसे पौधे ख़तरा भाँपने पर बर्ताव करते हैं. शोधकर्ताओं ने अरबइडॉप्सिस थैलियाना नाम के खरपतवार और टमाटर के पत्तियों पर कीड़े छोड़े. इसके बाद उन्होंने आसपास के पौधों पर कुछ पदार्थों का लगातार छिड़काव किया। इसके अलावा अरिडोप्सिस पौधा जेनेटिकली इंजीनियर्ड पौधा है और इसकी कोशिकाओं में बायोसेंसर होते हैं जो कैल्शियम आयन के मिलने से हरे रंग से चमकते हैं. जब शोधकर्ताओं ने इस पूरी प्रयोग का लिया गया उन्होंने पाया जिन पौधों को नुकसान नहीं हुआ था, उनकी पत्तियों में कैल्शियम के संकेत दिखाई दे रहे हैं।

चमकीले सेंसर के जरिए उन्होंने यह पहचाना कि बहुत प्रकार की कोशिकाएं खतरे के संकेत पर प्रतिक्रिया कर रही हैं. वे सबसे पहले पत्तियों के सिरे को खुला हुआ हिस्सा जिसे स्टोमैटा कहते हैं से बंद करने लगते हैं. इस तरह से उन्होंने पता लगाया कि कैसे, कब और कहां पौधे हवा में पैदा हुए चेतावनी संकेतों पर प्रतिक्रिया करते हैं।गौर करने वाली बात यह है कि पौधे इस तरह की चेतावनी पा कर केवल सुरक्षा के लिए अपने कुछ काम ही बंद नहीं करते हैं या फिर सो नहीं जाते हैं, बल्कि कुछ पौधे तो अपना रंग और आकार तक बदल सकते हैं. वहीं कुछ पौधे तो ऐसे पदार्थ निकालने लगते हैं तो उन जानवरों के आकर्षित करते हैं जो पौधों पर हमला करने वाले कीड़ों को खाते हैं। यह खास तरह का संचार नेटवर्क इंसानों की पकड़ में अब तक नहीं आ रहा था. लेकिन यह आसपास के पौधों में आने वाले खतरे के बारे में तुरंत सूचना देने का काम करता है. पिछले साल ही एक अध्ययन में इजरायली वैज्ञानिकों ने यह साबित किया था कि पौधे आवाज को भी "सुन पाते हैं या महसूस कर पाते" हैं।

मरीज की पूरी बात सुने बिना ही डॉक्टर सलाह देते है, तो हो जाएं सतर्क

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 17 जनवरी : कई बार ऐसा होता है कि आपकी तबीयत खराब है और जब डॉक्टर के पास जाते हैं, तो वह आपकी पूरी बात सुने बिना ही सलाह देकर टाल देता है। एक मरीज या पीड़ित की पूरी बात सुने बिना ही डॉक्टर की ऐसी सलाह देने के मामले महिलाओं के साथ कुछ ज्यादा ही होते हैं। डॉक्टरों के इस बर्ताव को मेडिकल गैसलाइटिंग कहा जाता है। कई बार मरीज मेडिकल गैसलाइटिंग के शिकार होते हैं। 39 वर्षीय क्रिस्टीना कैरोन मेडिकल गैसलाइटिंग की शिकार हो चुकी हैं।

डॉक्टर्स का मरीजों की समस्याओं को नजरअंदाज करना, उनकी बीमारी और लक्षणों के लिए मनोवैज्ञानिक वजहों को जिम्मेदार बताया या फिर उनकी बीमारी को सिरे से खारिज कर देना भी मेडिकल गैसलाइटिंग है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि बतौर मरीज सेकंड ओपिनियन लेना चाहिए। यानी, दूसरे डॉक्टर या अस्पताल में जाना चाहिए। न्यूयॉर्क टाइम्स को मेडिकल गैसलाइटिंग से जुड़े एक लेख पर 2,800 कमेंट्स मिले। कई स्टडी से पता चला है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं को बीमारी में गलत इलाज की संभावनाएं ज्यादा हैं। मेडिकल गैसलाइटिंग एक असल समस्या है। मरीजों को खासतौर पर महिलाओं को इससे सचेत रहना चाहिए। डॉक्टर आपकी बात ध्यान से नहीं सुनते और बात पूरी होने से पहले ही सलाह दे देते हैं। मरीज के लक्षणों पर चर्चा नहीं करते। समस्याओं और लक्षणों को महत्व नहीं देते। दर्द न होने पर रोग के लक्षणों को नजरअंदाज करना।

बीमारी के लक्षणों के लिए मानसिक बीमारी/मानसिक अवस्था को जिम्मेदार बताना। किसी तरह के मेडिकल टेस्ट की सलाह नहीं देना। डायरी में अपने लक्षणों को लिखें।

क्या परेशानी होती है, किस तरह का दर्द होता है, आपके ट्रिगर पॉइंट क्या हैं, क्या ये परेशानी हमेशा बनी रहती है या किसी खास तरह के वातावरण में आपको इन दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इन सभी सवालों के जवाब डायरी में दर्ज करें। इसके साथ ही अपनी पुरानी मेडिकल रिपोर्ट, दवाई और परिवार की मेडिकल हिस्ट्री का ब्यौरा साथ रखें।

बॉडी में लगेगा सेंसर, हार्ट फेल होने से पहले देगा वार्निंग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 17 जनवरी : हार्ट फेल होता है और किसी को भी पता नहीं चलता. समय से अस्पताल पहुंच भी गए तो डॉक्टरों को कुछ ही मिनट मिल पाता है, देरी हुई तो जीवन खत्म. मगर अब ऐसा नहीं होगा. साइंटिस्ट ने एक अनोखी चिप तैयार की है, जो हार्ट फेल होने से काफी पहले बता देगी कि कुछ दिक्कत हो रही है. आप डॉक्टर के पास जाएंगे और तुरंत इसका इलाज लेकर ठीक हो जाएंगे. डॉक्टरों के मुताबिक, 50 फीसदी मामलों में तो अस्पताल में इमरजेंसी में भर्ती होने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कार्डियो एमईएमएस नाम के इस छोटे से सेंसर को दिल की ओर जाने वाली धमनियों में से एक में फिट किया जाता है. यह हर मिनट आपके ब्लड प्रेशर को मॉनिटर करता है. उसमें होने वाले उतार-चढ़ाव का पता लगाने में सक्षम है जो बिगड़ते स्वास्थ्य का संकेत दे सकता है. डॉक्टरों के मुताबिक, इंसान को हर सुबह एक तकिये पर लेटना होता है, जो इसके साथ कम्यूनिकेट करता है. लेटते ही यह आपके डॉक्टर को संकेत भेज देता है. बता देता कि फलां धमनी में किसी तरह की दिक्कत आ रही है।

मेडिकल जर्नल द लैंसेट में पब्लिक रिपोर्ट के अनुसार, इस डिवाइस का 348 लोगों पर परीक्षण किया गया. तकरीबन 18 महीने तक इन लोगों पर निगरानी रखी गई. नतीजे चौंकाने वाले थे. पता चला कि जिन लोगों में सेंसर इम्प्लांट किया गया था, उन लोगों को अस्पताल में भर्ती होने की संभावना 44 फीसदी कम थी. हार्ट अटैक तब आता है जब हृदय को रक्त की आपूर्ति अचानक बंद हो जाती है. यह लाइलाज स्थिति है और इसमें मौत की संभावना सबसे ज्यादा होती है. डॉक्टरों के मुताबिक, जब हृदय की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं तो वह सही तरीके से रक्त को पंप नहीं कर पाता. यह मौत का कारण बनती है।

हार्ट फेल्योर की सबसे मुख्य वजह दिल का दौरा पड़ना है, जो मांसपेशियों को नुकसान पहुंचाता है. हार्ट वाल्व, वायरल इंफेक्शन और जेनेटिक समस्या की वजह से भी हार्ट फेल हो सकता है.बुजुर्गों में हार्ट फेल होने की सबसे बड़ी वजह फेफड़ों के आसपास की नसों में हाई ब्लड प्रेशर को माना गया है.आमतौर पर सांस के रोगियों में यह दिक्कत ज्यादा होती है, क्योंकि शरीर ऑक्सीजन की डिमांड करता है और इसके लिए उन्हें तेज सांस लेने की जरूरत पड़ती है. भारत समेत दुनिया के कई देशों में लाखों लोग इस समस्या से जूझ रहे हैं.

75 साल से जल रहा दूध वाला चूल्हा, पढ़िए रोचक जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 17 जनवरी , कई बार छोटे छोटे व्यवसाय बड़े बड़े शहरों की पहचान बन जाते हैं. आपको हर शहर में खाने पीने की कोई ना कोई ऐसी दुकान जरूर मिलेगी जो दशकों से अपने ग्राहकों को एक जैसे स्वाद का आनंद देती आ रही हैं. राजस्थान का दिल कहे जाने वाले जोधपुर में भी एक ऐसी ही दुकान है जो अपने एक अद्भुत कारण से प्रसिद्ध है.

इस दूध की दुकान को लेकर दावा है कि यहां 1949 से लगातार चूल्हा जल रहा है. इसके मालिक का कहना है कि यह चूल्हा दशकों से जल रहा है, जिसकी वजह से इस व्यवसाय का आकर्षण और परंपरा बनी हुई है. इसके साथ ही इसकी गुणवत्ता के प्रति अटूट समर्पण लोगों को आकर्षित करता आ रहा है. जोधपुर की ये दूध की दुकान एक स्थानीय आइकन की तरह है. जिसने चुपचाप समय बीतते देखा है लेकिन इसका आकर्षण कभी कम नहीं हुआ. यह दुकान एक ऐसी विरासत का प्रतीक है जो कई पीढ़ियों से चली आ रही है और यहां कभी चूल्हा नहीं बुझा.दुकान के मालिक विपुल निकुब का दावा है कि यह इस दुकान का चूल्हा 1949 से जल रहा है. उन्होंने कहा कि, ₹1949 में, मेरे दादाजी ने इसकी शुरुआत की थी. 1949 से इसका चूल्हा जल रहा है. हर दिन, दुकान 22 से 24 घंटे तक खुली रहती है. दूध गर्म करने के लिए पारंपरिक रूप से लकड़ी और कोयले का उपयोग किया जाता है.₹उन्होंने आगे कहा कि, ₹हम पीढ़ी दर पीढ़ी दुकान चला रहे हैं, जो लगभग 75 वर्षों से काम कर रही है. इस दुकान ने यहां एक परंपरा स्थापित की है, और मैं अपने परिवार की तीसरी पीढ़ी हूं, जो ये काम कर रहा है. दूध की दुकान प्रसिद्ध है, लोग इसका आनंद लेते हैं, और दूध उपभोक्ताओं को ऊर्जा और पोषण मिलता है, इसलिए हम व्यवसाय सफलतापूर्वक संचालित कर रहे हैं.₹भारत में, परिवार द्वारा संचालित व्यवसाय पीढ़ियों से चले आ रहे हैं, जो कई वर्षों से चली आ रही व्यापार परंपरा को जारी रखे हुए हैं. ये उद्यम पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही दृढ़ता और अटल समर्पण की कहानियां पेश करते हैं. यह अनोखी दूध की दुकान भी अपने 75 सालों से जल रहे चूल्हे के दावे के साथ चलती आ रही है, जो जोधपुर के हृदय में पीढ़ीगत निरंतरता का एक जीवंत उदाहरण है.

इतने घंटे की देरी पर चलती है ट्रेन तो मिलता है पूरा रिफंड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 17 जनवरी : भारतीय रेलवे का नेटवर्क काफी बड़ा है। ऐसे में भारतीय रेलवे यात्रियों को कई तरह की सुविधा देते हैं। वर्तमान में उत्तर भारत में ठंड की मार से रेलवे के साथ हवाई सफर पर भी असर देखने को मिल रहा है। देश में कई ट्रेन देरी से चल रही है या फिर कैंसिल हो रही है। ऐसे में भारतीय रेलवे यात्रियों को एक खास अधिकार देता है जिसके तहत वह आसानी से ट्रेन टिकट पर पूरा रिफंड ले सकते हैं।

ट्रेन से सफर करने वाले कई यात्रियों को इस अधिकार के बारे में नहीं पता होता है। भारतीय रेलवे ट्रेन के लेट होने पर यात्री को पूरा पैसा वापस करती है। इसके लिए भारतीय रेलवे की कुछ शर्तें होती है। चलिए, आज हम भारतीय रेलवे के इस नियम के बारे में बताते हैं। देश में करोड़ों लोग रोज ट्रेन से सफर करते हैं। वर्तमान में ठंड की वजह से उत्तर भारत की कई ट्रेन लेट से चल रही है। इस वजह से कई यात्री को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि भारतीय रेलवे ट्रेन को समय से चलाने के लिए कदम उठा रही है।अगर आप भी ट्रेन से सफर करने वाले हैं और आपकी ट्रेन लेट हो जाती है तो आप आसानी से अपनी टिकट का पूरा रिफंड ले सकते हैं। भारतीय रेलवे के नियम के अनुसार ट्रेन के लेट होने पर यात्री रिफंड के लिए क्लेम कर सकते हैं। ट्रेन अगर 3 घंटे से ज्यादा लेट है तब ही यात्री रिफंड के लिए क्लेम कर सकते हैं। वहीं, कंफर्म तत्काल टिकट को कैंसिल करने पर कोई रिफंड नहीं दिया जाता है।

अगर ट्रेन 3 घंटे की देरी से चल रही है और आप यात्रा नहीं करना चाहते हैं तो रिफंड क्लेम करके पूरी राशि वापस ले सकते हैं। रिफंड क्लेम के लिए आपको टिकट डिपॉजिट रसीद फाइल करनी होगी आप टीडीआर (TDR) आईआरसीटीसी (IRCTC) के अधिकारिक वेबसाइट पर जाकर फाइल कर सकते हैं। इसके अलावा आप टिकट काउंटर पर भी जाकर टिकट सरेंडर कर सकते हैं। जिसके बाद आपको पूरा रिफंड मिल जाएगा।आपको बता दें कि रिफंड वापस मिलने में कम से कम 90 दिनों का समय लगता है।कैसे फाइल करें टीडीआरआपको सबसे पहले IRCTC के वेबसाइट पर लॉग-इन करना है।इसके बाद आप 'Services' के टैब में ₹File Ticket Deposit Receipt (TDR)₹ को सेलेक्ट करें।अब आप My Transactions में जाकर ₹File TDR₹ पर क्लिक करें।इसके बाद आपके क्लेम रिक्वेस्ट रेलवे को भेजा जाएगा।रिफंड की राशि उसी बैंक अकाउंट में आएगी, जिस अकाउंट से टिकट बुक हुई है।

सोते-सोते भी घटा सकते हैं वजन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 17 जनवरी ; आजकल की लाइफ में गलत खान-पान, फिजिकल एक्टिविटी में कमी और बढ़ते तनाव से हेल्थ पर बहुत खराब असर पड़ रहा है। वजन बढ़ने की समस्या से कई लोग जूझ रहे हैं। एक बार आप ओवरवेट हो जाएं तो इसे कंट्रोल करना मुश्किल साबित होता है। कई नुस्खे आजमाने के बाद भी वजन कम नहीं हो पाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सोते-सोते हुए भी वजन कम किया जा सकता है। आइए जानते हैं कैसे।इसे पीकर सोने से वजन कम किया जा सकता है। इसमें मौजूद फ्लेवोनोइड्स नामक तत्व आपके मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में मदद कर सकता है। ऐसे में जिन लोगों को सोने से पहले कुछ खाने या पीने की आदत होती है उन्हें ग्रीन टी लेने की सलाह दी जाती है। सोने से पहले ग्रीन टी पीने से वेट लॉस हो सकता है।इंटरमिटेंट फास्टिंग आपके शरीर में मौजूद शुगर को खत्म करने का काम करता है।

इसमें आसानी से फैट बर्न होने लगता है। इसलिए रात को सोने से कम से कम 4 घंटे पहले कुछ न खाएं। इस दौरान आप सिर्फ पानी ही पिएं। खाना खाते ही तुरंत बाद सोने की आदत आपको भी है तो इससे बचना होगा। ऐसा करना आपकी पाचन शक्ति पर असर डालता है। इससे आपका मेटाबॉलिज्म बेहतर तरीके से काम नहीं कर पाता है जिससे वजन बढ़ने लगता है। इसलिए कोशिश करें कि सोने से पहले कैफीन युक्त चीजों का सेवन न करें और खाने-सोने के बीच 4 घंटे का गैप रखें।

संपादकीय

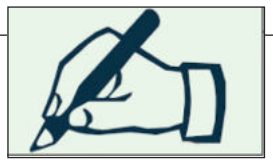

कश्मीर की देशज दृष्टि

पिछले कुछ वर्षों से भारत अपनी पहचान और यथार्थ को लेकर अधिक संवेदनशील हुआ है। इस कारण देशज उपकरणों और शब्दावली के माध्यम से भारतीय यथार्थ को समझने की व्यग्रता बढ़ी है। यह व्यग्रता औपनिवेशिक आधिपत्य वाले विमर्श की सीमाओं और क्षुद्रताओं को तो उजागर कर ही रही है, भारतीय हितों, संघर्षों और अंतद्वन्द्वों को नए सिरे से परखने की कोशिश भी कर रही है। इस कोशिश में सबसे प्रमुखता के साथ जो तथ्य उभरकर सामने आता है, वह यह है कि सैकड़ों सालों का मजहबी और औपनिवेशिक बोझ भारतीय पहचान के प्रति आकर्षण कम नहीं कर सका है। और यह भी कि मजहबी और औपनिवेशिक खांचों में फंसा भारतीय हिस्सा भी अब यह समझने लगा है कि उसके हितों और पहचान का अभिकेन्द्र कहीं बाहर नहीं बल्कि भारत और भारतीयता ही है। जम्मू-कश्मीर के ख्यातिलब्ध विद्वान और प्रसिद्ध भारतविद प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री की नई पुस्तक 'कश्मीर का रिसता घाव : एटीएम बनाम डीएम का संघर्ष' मुसलमानों के भारतीय यथार्थ को नई शब्दावली और उपकरणों के माध्यम से समझने की एक ऐसी ही कोशिश है। प्रो. अग्निहोत्री ने भारतीय मुसलमानों को मोटे तौर पर दो वर्गों में विभक्त कर मुसलमानों की आंतरिक दुनिया में झांकने की कोशिश की है। वह विदेशी नस्ल के मुसलमानों को एटीएम (अरब-तुर्क-मुगल) कहते हैं और भारतीय मूल के मुसलमानों को डीएम (देशी मुसलमान) के नाम से संबोधित करते हैं। इस शब्दावली के माध्यम से उन्होंने मोटे तौर पर सम्पूर्ण भारत और विशेष रूप में जम्मू-कश्मीर के मुसलमानों की सामाजिक-सांस्कृतिक गत्यात्मकता को समझने की कोशिश की है। उनका मानना है कि मुसलमानों को एक समूह और एटीएम को मुसलमानों का प्रतिनिधि मानने से राजनीतिक और अकादमिक स्तर पर मुसलमानों की वास्तविक स्थिति देश के सामने नहीं आ पाई है। इस न्यूनता के कारण जहां साम्प्रदायिक संघर्षों की प्रकृति को समझने में नीति नियंता प्रायः विफल हो जाते हैं और आर्थिक स्तर पर लक्षित समूहों तक योजनाओं का लाभ पहुंच पाता है और न ही उनके सशक्तिकरण की दिशा में कदम उठ पाते हैं। इससे भी बड़ी बात यह कि एटीएम को मुसलमानों का प्रतिनिधि मानने से देशज मुसलमानों को उनकी भारतीय संबद्धता से एकदम से काटने के प्रयास किए जाते हैं। वह कहते हैं, जब भी भारत में मुसलमानों का अध्ययन किया जाता है तो एटीएम बनाम डीएम को जोडक़र भारतीय मुसलमान कह दिया जाता है। इतना ही नहीं, इस प्रकार के अध्ययनों में केस स्टडी के लिए एटीएम को ही लिया जाता है, लेकिन उसके निष्कर्षों से डीएम या देसी मुसलमानों को शिकार बनाया जाता है। इस प्रकारा देसी मुसलमान एटीएम के नीचे दब जाता है। उनका मानना है कि जम्मू-कश्मीर का प्रश्न हिन्दू-मुस्लिम से अधिक एटीएम बनाम डीएम का प्रश्न है। यदि इस संघर्ष के कारणों और उपकरणों की ठीक ढंग से पहचान कर ली जाए तो जम्मू-कश्मीर के प्रश्न के समाधान में तो सहयोग मिलेगा ही, सम्पूर्ण भारत में साम्प्रदायिकता की समस्या से निपटने में भी मदद मिलेगी। इस पुस्तक में इन दोनों समुदायों के टकराव, उसके विविध पड़ावों, उसमें अपनाई जाने वाली रणनीतियों का विश्लेषण किया गया है। टकराव का मुख्य बिंदु यह है कि विदेशी मुसलमानों का वर्ग देशी मुसलमानों से उनकी प्रत्येक पहचान को छीनकर अपने खांचे में ढालने के लिए प्रयास करता है। कश्मीर को देशज दृष्टि से समझना होगा।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

मार्च तक खर्च करें फर्नीचर व कम्प्युटर का बजट: डॉ. धन सिंह रावत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 17 जनवरी , बेसिक शिक्षा में फर्नीचर व कम्प्युटर हेतु आवंटित बजट मार्च 2024 से पहले खर्च कर दिया जायेगा। इसके लिये विभागीय अधिकारियों को ठोस निर्देश दे दिये गये हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में राजकीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, आदर्श प्राथमिक एवं आदर्श उच्च प्राथमिक विद्यालयों में फर्नीचर व कम्प्युटर उपलब्ध कराने हेतु 26 करोड़ से अधिक की धनराशि का प्रावधान किया गया है। विभाग द्वारा स्वीकृत बजट को समय पर खर्च न कर पाने की स्थिति में संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब किया जायेगा।

सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि सरकार प्राथमिक शिक्षा को लेकर फिक्रमंद है। राज्य सरकार ने राजकीय प्राथमिक विद्यालयों को सुविधा सम्पन्न बनाने के दृष्टिगत कई बड़े फैसले लिये हैं, इसके लिये बजट में भी वित्त का प्रावधान किया गया है। डा. रावत ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्राथमिक शिक्षा के अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में फर्नीचर व कम्प्युटर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये 26 करोड़ 24 लाख 64 हजार का बजट स्वीकृत किया गया है। जिसे शत-प्रतिशत खर्च करने के लिये विभागीय अधिकारियों को मार्च 2024 तक का समय दिया गया है। विभागीय मंत्री ने बताया कि राजकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण उपलब्ध कराने के लिये कुल छह करोड़ की धनराशि आवंटित की गई है। जिसमें अल्मोड़ा जनपद को 10 लाख 25 हजार, बागेश्वर को 5 लाख 28 हजार, चमोली 31 लाख 24 हजार, चम्पावत 16 लाख 16 हजार, देहरादून एक करोड़ 59 लाख 82 हजार, हरिद्वार एक करोड़ चार लाख 78 हजार, नैनीताल 60 लाख 54 हजार, पौड़ी 12 लाख आठ हजार, पिथौरागढ़ 14 लाख 10 हजार, रूद्रप्रयाग 11 लाख 50 हजार, टिहरी 21 लाख 74 हजार, ऊधमसिंह नगर एक करोड़ 33 लाख 12 हजार और उत्तरकाशी जनपद को 19 लाख 36 हजार की धनराशि आंवटित की गई है।

- सूबे के प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों को 26 करोड़ आवंटित
- कहा, प्रत्येक विद्यालयों को समय पर उपलब्ध करायें फर्नीचर व कम्प्युटर

इस प्रकार समस्त जनपदों के राजकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कम्प्युटर हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर हेतु कुल 19 करोड़ 99 लाख 85 हजार की धनराशि स्वीकृत की गई है। जिसमें अल्मोड़ा जनपद को एक करोड़ 91 लाख 29 हजार, बागेश्वर एक करोड़ 37 लाख 71 हजार, चमोली दो करोड़ एक लाख 16 हजार, चम्पावत 71 लाख 44 हजार, देहरादून दो करोड़ चार लाख 92 हजार, नैनीताल एक करोड़ 39 लाख 59 हजार, पौड़ी एक करोड़ 25 लाख दो हजार, पिथौरागढ़ एक करोड़ 20 लाख 79 हजार, रूद्रप्रयाग एक करोड़ 74 लाख 37 हजार, टिहरी दो करोड़ 32 लाख 65 हजार, ऊधमसिंह नगर दो करोड़ 39 लाख 23 हजार तथा उत्तरकाशी जनपद को एक करोड़ 61 लाख 68 हजार की धनराशि आंवटित की गई है।

इसके अलावा प्राथमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत राजकीय आदर्श प्राथमिक एवं आदर्श उच्च प्राथमिक विद्यालयों में फर्नीचर उपलब्ध कराने के लिये कुल 10 लाख की धनराशि आवंटित की गई है जबकि इन्हीं स्कूलों में कम्प्युटर के लिये कुल 14 लाख 79 हजार के बजट का प्रावधान किया गया है। डा. रावत ने बताया कि प्राथमिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों को आंवटित बजट को समय पर खर्च कर स्कूलों में फर्नीचर और कम्प्युटर उपलब्ध कराने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि समय पर बजट खर्च न कर पाने की दशा में सबंधित अधिकारी से स्पष्टीकरण लिया जायेगा।

रडार स्पीड डिस्प्ले बोर्ड दूर से पकड़ लेगा वाहन चालक की स्पीड : एसएसपी नैनीताल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 17 जनवरी ; प्रहलाद नारायण मीणा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल द्वारा सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु रामनगर क्षेत्र में Digital Speed Sign Board लगाए जाने के निर्देश में आज दिनांक-16/01/2024 को यातायात निरीक्षक आदेश कुमार द्वारा अपनी टीम के साथ रामनगर क्षेत्र में काशीपुर मार्ग पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाये जाने हेतु सिंह ढाबा पिरूमदारा क्षेत्र में रडार गतिसीमा बोर्ड (डिजिटल रडार स्पीड साईन बोर्ड) लगाया गया, जिससे इस हाईटेक उपकरण से वाहन चालकों को उनकी गाड़ी की गति की सूचना मिल सके।

जब कोई वाहन इस साइन बोर्ड के पास से गुजरेगा, तो उसकी गति साइन बोर्ड पर प्रदर्शित हो जाएगी। चालक द्वारा अपने वाहन की गति सीमा देखने पर यदि वाहन की रफ्तार अधिक होगी तो वह अपने वाहन की रफ्तार को स्वयं से कम कर लेंगे। जिसकी सहायता से ओवर स्पीड के वाहनों में लगाम लगेगी तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकेगी। यह सुरक्षा बोर्ड वाहन चालको को अपनी गाड़ी की गति को निर्धारित गति में रहने के लिए प्रेरित करेगा।

श्रीराम के चरण, शरण और आचरण हमारे जीवन का पाथेय : स्वामी चिदानन्द

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश, 17 जनवरी , अयोध्या धाम श्री राम मन्दिर के प्राण-प्रतिष्ठा के पूर्व परमार्थ निकेतन में स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के आशीर्वाद से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है ताकि पूरा वातावरण श्रीराममय हो। प्राणप्रतिष्ठा महाउत्वस की दिव्यता के लिये पूरे आश्रम में स्वच्छता, डेकोरेशन, विशेष पूजन और अनुष्ठान किये जा रहे हैं। प्रतिदिन परमार्थ गंगा आरती के माध्यम से प्रभु श्री राम जी के जीवन पर आधारित भजनों व कहानियों को सुनाया जा रहा है ताकि जनसमुदाय उन शिक्षाओं को आत्मसात कर सके। साथ जी उन कहानियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण व मिशन लाइफ के संदेशों को भी प्रसारित किया जा रहा है। 22 जनवरी को अयोध्या धाम में होने वाले श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर परमार्थ निकेतन में अत्यंत उत्साह और उल्लास का वातावरण है। पूरे आश्रम को दीपावली की तरह लाइट व दीपों से सुसज्जित किया गया है। प्रतिदिन प्रातःकाल विशेष यज्ञ हो रहा है। पूरे आश्रम में, गंगा जी के घाट पर और आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान व रैली, कलश यात्रा का भी आयोजन किया जा रहा है। परमार्थ परिवार के सदस्य, ऋषिकुमारों, आचार्यों के साथ आश्रम में आने वाले यात्री भी इन सभी कार्यक्रमों में श्रद्धा भाव से सहभाग कर रहे हैं। साथ ही प्रतिदिन भजन संध्या, श्री रामचरित मानस का पाठ और विशेष पूजन किया जा रहा है। श्रीराम कीर्तन, सुंदरकांड पाठ, रामायण पाठ व प्रतिदिन सायंकाल मिट्टी के दीपक जलाए जा रहे हैं।

22 जनवरी को एलईडी एवं साउंड सिस्टम के ज़रिए अयोध्या धाम का सीधा प्रसारण सभी को परमार्थ प्रांगण से दिखाया जाएगा। परमार्थ निकेतन का पूरा वातावरण श्री राम की धुन व भजनों से संगीतमय है। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत एवं श्रीराम जी के जीवन चरित्र पर झांकियां बनाकर परमार्थ आरती के दौरान प्रदर्शित की जायेगी। प्रतिदिन प्रातःकाल श्री राम नाम की फेरी लगायी जा रही है।

विदेश की धरती से परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि हम बहुत भाग्यशाली है कि हमारा जन्म भारत में हुआ और वह भी उस समय जब प्रभु श्री राम के मन्दिर का निर्माण व प्राण- प्रतिष्ठा हो रही है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि प्रभु श्री राम तो हमारे आराध्य ही नहीं बल्कि भारत की आत्मा हैं और श्री राम मन्दिर केवल एक मन्दिर नहीं बल्कि राष्ट्र मन्दिर का प्रतीक है। 500 वर्षों की अथक तपस्या और हमारे पूर्वजों के बलिदान के बाद अब यह ऐतिहासिक अवसर आया है। श्री राम की जन्मभूमि अयोध्या की दिव्य भूमि पर ऐतिहासिक श्री राम मन्दिर निर्माण व प्रभु श्री राम के बाल स्वरूप की मूर्ति की दिव्य एवं भव्य प्राण-प्रतिष्ठा के साक्षी बन रहे हैं। 22 जनवरी, 2024 का दिन भारत व भारतीयों के लिये ऐतिहासिक पर्व है। हम सौभाग्यशाली हैं कि प्रभु श्री राम हम सब के आराध्य हैं प्रभु श्री राम की शरण, उनके पावन चरण एवं उनका आचरण हमारे जीवन का पाथेय बने, सम्बल बने।

याचिका मुंह के बल गिरने से सरकार बेनकाब हुयी : यशपाल आर्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 17 जनवरी , नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि, राज्य के उद्यान घोटाले की सी0बी0आई0 जांच के उच्च न्यायालय नैनीताल के आदेश के विरुद्ध उत्तराखंड सरकार द्वारा उच्चतम न्यायालय में दायर पुनर्विचार याचिका को उच्चतम न्यायालय ने अस्वीकार करने से सिद्ध हो गया है कि, राज्य सरकार भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए हर प्रयास कर रही है । उन्होंने बताया कि , आज सरकार की पुनर्विचार याचिका को अस्वीकार करते हुए उच्चतम न्यायालय ने राज्य सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए पूछा है कि आखिर उत्तराखंड सरकार भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध हो रही सी0बी0आई0 जांच को क्यों रुकवाना चाहती है ?

यशपाल आर्य ने कहा कि , 26 नवंबर को उच्चतम न्यायालय के उद्यान घोटाले की जांच सी0बी0आई0 करवाने के बाद उद्यान मंत्री गणेश जोशी ने बयान दिया था कि, वे भ्रष्टाचारियों को संरक्षण नहीं देंगे । मंत्री के सार्वजनिक बयान के बाद सरकार उद्यान घोटाले में संलिप्त अधिकारियों , विधायक और उसके भाई को बचाने सुप्रीम कोर्ट गयी। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि , आज सरकार की याचिका मुंह के बल गिरने के बाद सरकार बेनकाब हो गयी है।उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की कि, यदि थोड़ी भी नैतिकता और लोकतांत्रिक मूल्य बचे हैं तो उन्हें मंत्री गणेश जोशी से इस्तीफा ले लेना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि , पहले ही उच्च न्यायालय के उद्यान घोटालों की सी0बी0आई0 जांच के आदेश से यह सिद्ध हो गया था कि, उत्तराखण्ड में भ्रष्टाचार की गंगा में सभी डुबकी लगा रहे थे। उन्होंने कहा कि, इस मामले में माननीय उच्च न्यायालय के आदेश में सरकार और शासन के सभी स्तरों की संदिग्ध भूमिका का उल्लेख किया गया था। आदेश में उच्च न्यायालय ने कहा था कि सत्ता दल के रानीखेत विधायक द्वारा अपने कथित बगीचे में फर्जी पेड़ लगाने का प्रमाण पत्र निर्गत किया था । इससे पहले ही सिद्ध हो गया था कि, उत्तराखंड के उद्यान घोटालों में केवल उद्यान निदेशक बबेजा ही लिप्त नहीं हैं बल्कि प्रदेश सरकार और भाजपा के विधायक व नेता भी सम्मलित हैं।

यशपाल आर्य ने आरोप लगाया कि, पहले भी उच्च न्यायालय के द्वारा मामले की जांच सी0बी0आई0 से करवाने की मंशा जाहिर करते ही राज्य सरकार ने आनन-फनान में सी0बी0आई0 जांच का नोटिफिकेशन जारी कर दिया था । उन्होंने साफ किया कि , राज्य के अधिकारी और एस0आई0टी0 जांच में नकारा सिद्ध हुए हैं इसउत्तराखण्डलिए इस साल उच्च न्यायालय ने उद्यान घोटाले की जांच सहित से संबधित तीन घोटालों की जांच सी0बी0आई0 को सोंपी हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि, सरकार के द्वारा अंतिम उपाय तक भ्रष्टाचारियों की जांच रुकवाने की कोशिश ओर उच्चतम न्यायालय द्वारा उत्तराखंड के उद्यान घोटाले कि जांच सी0बी0आई0 से करवाने के आदेश को बरकरार रखने से राज्य सरकार के ''जीरो करप्शन माडल'' की हकीकत सामने आ गयी है। साथ ही यह भी सिद्ध हो गया है कि, प्रदेश की भाजपा सरकार और उसके अधिकारी भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हुए हैं।

एसएसपी देहरादून की सटीक रणनीति से अपराधियों का बचना हुआ मुश्किल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 17 जनवरी : थाना डालनवाला पर वादी सूरज कुमार पुत्र सुन्दरलाल निवासी कुँआ वाला ,जेसीबी शो रूम के पीछे थाना डोईवाला,जनपद देहरादून ने लिखित प्रार्थना पत्र दिया कि उनकी सिटी बस संख्या UK07T-9308 को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा तिब्बती मार्केट के सामने परेड ग्राउंड की सरकारी पार्किंग से चोरी कर लिया हैं। प्राप्त प्रा0 पत्र के आधार पर थाना डालनवाला पर तत्काल मु0अ0सं0 09/2024 धारा- 379 भादवि का अभियोग पंजीकृत किया गया।

घटना के अनावरण हेतु एसएसपी देहरादून द्वारा प्रभारी निरीक्षक डालनवाला को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए तत्काल पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज को चैक करते हुए मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। पुलिस टीम द्वारा की गई त्वरित कार्यवाही से घटना में शामिल 02 अभियुक्तों 1- सोनू उर्फ निखिल पुत्र वीरेन्द्र ,निवासी रायपुर रोड ,तरला आमवाला, शान्ति विहार, थाना रायपुर, देहरादून उम्र-20 वर्ष व 2- दिव्याँशु पुत्र मनोज निवासी काली मन्दिर सी-ब्लाक थाना रायपुर, देहरादून उम्र-19 वर्ष को को पुलिस द्वारा कुछ ही घंटों के भीतर वाहन चेकिंग के दौरान आशारोडी बैरियर से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों के कब्जे से घटना में चोरी की गई बस संख्या UK07T-9308 (सिटी बस) को बरामद किया गया एवं बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा- 411 भादवि की बढ़ोत्तरी की गयी।

गिरफ्तार दोनों अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी हैं साथ ही नशे के आदी है। दोनों के द्वारा अपने नशे की पूर्ति के लिए बस चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था, बस चोरी करने के उपरांत दोनों अभियुक्त उक्त बस को बेचने के लिए सहारनपुर ले जा रहे थे, दोनों अभियुक्त पूर्व में थाना रायपुर से भी चोरी के अभियोग में जेल जा चुके है।

नाम पता गिरफ्तार अभियुक्त

1- सोनू उर्फ निखिल पुत्र वीरेन्द्र निवासी रायपुर रोड तरला आमवाला शान्ति विहार, थाना रायपुर, देहरादून उम्र-20 वर्ष 2- दिव्याँशु पुत्र मनोज निवासी काली मन्दिर सी-ब्लाक थाना रायपुर देहरादून उम्र-19 वर्ष।

बरामदगी का विवरण

वाहन संख्या UK07T-9308 (सिटी बस) नीले रंग

पुलिस टीम

1-SHO राकेश गुसाईं , कोतवाली डालनवाला2- म0उ0नि0 अनिता बिष्ट3- का 0 883 आदित्य राठी 4- का0 917 विजय कुमार5-का0 1486 जंगवीर सिंह,